Grade - 4

Prepared by: VRUSHALI KOKANE

LESSON- 14.राजा और दंड

व्याकरण-मुहावरे

प्रश्न १) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक मे लिखिए ।

प्रश्न २) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए ।

क)थिरकना-नाचना

वाक्य- गाना बजने के बाद राधा के पैर थिरकने लगे

ख)तल्लीन-ध्यान लगाकर

वाक्य-राज तल्लीन होकर पढाई कर रहा था

प्रश्न ३) खाली स्थान भरिए ।

1. **विद्या** ग्रहण करने में भी वह हमेशा आगे रहा।
2. गुरुदेव ने **टहनी** को लेकर उससे सुशील को मारना आरंभ कर दिया।
3. लोग **गुरु के** चरणों में झुककर धन्य धन्य करने लगे।

प्रश्न ४) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. सुशील का पूरा नाम क्या था और किस देश के रहने वाले थे?
उत्तर- सुशील का पूरा नाम सुशील सैन था और वे पांचाल देश के रहने वाले थे।

2. सुशील ने अब तक क्या काम नहीं किया था?
उत्तर- सुशील ने अब तक वह काम नहीं किया था जिससे गुरु जी की उस पर क्रोध आए।

3. दंड के महत्व को समझना राजा के लिए आवश्यक क्यों है?
उत्तर- दंड के महत्व को समझना राजा के लिए इसलिए आवश्यक है ताकि वह दर्द के मर्म को समझे और किसी को बेवजह दंड न दे।

प्रश्न ५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. महर्षि ज्ञानदीप कैसे गुरु थे?
उत्तर-महर्षि ज्ञानदीप अपने नाम के अनुसार वास्तव में ही ज्योति के पुंज थे। वे प्रकांड विद्वान और चारों वेदों के ज्ञाता थे।

2. सुशील किस तरह का बालक था ?

उत्तर- वह मन लगाकर पढ़ता था। जो गुरुदेव कहते थे, उसे बहुत ध्यान से सुनता था और अपने सीमित ज्ञान के आधार पर वह ऋषि ज्ञानदीप से प्रश्न भी पूछा करता था। जो गुरुदेव कहते थे, वह पूरा किया करता था। अन्य राजकुमारों की भाँति वह चंचल न था, गंभीर था। वह सदैव पढ़ने में तल्लीन रहता था।

3. सुशील की माता ने गुरुदेव से क्या और क्यों कहा?
उत्तर- गुरु जी को मारते देख सुशील की माता ने कहा कि गुरुदेव आज सुशील ने ऐसा क्या किया है जो उसे आपके कोप का भाजन बनना पड़ रहा है और दूसरी ओर आप जैसे ज्ञानी पुरुष द्वारा क्रोध किया जाना शोभा नहीं देता। उन्होंने गुरुजी से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वे अपने पुत्र को बिना कारण मार खाता नहीं देख पाई।

4. गुरुदेव ने सुशील को क्यों मारा?
उत्तर- सुशील ने आज तक कभी मार का दर्द नहीं सहा था। एक कुशल राजा बनने के लिए राजा को दंड देते वक्त मार के दर्द का अहसास होना चाहिए ताकि वह कभी अनुचित न्याय न कर पाए। इसलिए गुरुदेव ने सुशील को मारा।

<u>व्याकरण</u>

मुहावरे - किसी वाक्य में शब्दों का वह समूह जो सामान्य अर्थ न देकर कोई विशेष अर्थ प्रकट करे, वह मुहावरा कहलाता है।

जैसे- आकाश-पाताल एक करना- कठिन परिश्रम करना
वाक्य- कक्षा में प्रथम आने के लिए नीरू ने आकाश-पाताल एक कर दिया ।

प्रश्न-१) दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।
क) दाँत कटी रोटी होना - गहरी दोस्ती
वाक्य- राम और श्याम के बीच दाँत कटी रोटी है।

ख) पीठ थपथपाना - शाबाशी देना
वाक्य- कक्षा में प्रथम आने पर नीरू की माँ ने उसकी पीठ थपथपाई ।

ग) गुड़-गोबर कर देना- बना-बनाया काम बिगाड़ देना
वाक्य- रीति ने खेल में हारकर सब खेल का गुड़- गोबर कर दिया ।

घ) नमक-मिर्च लगाना - बात बढ़ा-चढ़ाकर कहना
वाक्य- राकेश हमेशा बातों में नमक मिर्च लगाता है।

ड) पानी-पानी होना - बहुत शर्मिंदा होना
वाक्य- चोरी पकड़ी जाने पर राजू पानी-पानी हो गया ।

****